“शैक्षिक एवं सह–शैक्षिक गतिविधियों का राजकीय माध्यमिक विद्यालयों तथा निजी माध्यमिक विद्यालयों का तुलनात्मक अध्ययन”

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं के
शिक्षा अधिस्नातक (एम. एड़) उपाधि
की आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत

**लघुशोध – प्रबन्ध**

**2015-2017**


निर्देशक
डा. मनीष भटनागर
(सहायक आचार्य)

शोधकर्त्री
दमयन्ती जाट
एम. एड. (छात्रा)

शिक्षा विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूं – 341306 (राजस्थान)

# घोषणा पत्र

मैं दमयन्ती जाट शोधकर्त्री जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय लाडनूँ यह घोषणा करती हूँ कि मैनें अपना लघु शोध प्रबंध का कार्य जिसका शीर्षक ''शैक्षिक एवं सह–शैक्षिक गतिविधियों का राजकीय माध्यमिक विद्यालयों तथा निजी माध्यमिक विद्यालयों का तुलनात्मक अध्ययन''  निर्देशक डॉ. मनीष भटनागर के कुशल एव प्रेरणास्पद मार्गदर्शन में पूर्ण किया। यह कार्य मेरी मौलिक कृति है।

दिनांक –                                                                 शोधकर्त्री

स्थान –                                                                  दमयन्ती जाट

एम. एड. छात्रा

# प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि दमयन्ती जाट एम. एड. (छात्रा), सत्र 2015–2017 शिक्षा विभाग, जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं की शिक्षा अधिस्नातक उपाधि की आंशिक पूर्ति हेतु लघु शोध प्रबन्ध ''शैक्षिक एवं सह–शैक्षिक गतिविधियों का राजकीय माध्यमिक विद्यालयों तथा निजी माध्यमिक विद्यालयों का तुलनात्मक अध्ययन'' मेरे निर्देशन एवं मार्गदर्शन में परिश्रम एवं लग्न से पूरा किया है।

शोध निर्देशक

डॉ. मनीष भटनागर

(सहायक आचार्य, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूँ)

# आभार प्रसून

**''या कुन्देन्दु तुषार हार धवला,**
**या शुभ्रवस्त्रावृता।**
**या वीणा वरदण्डमण्डितकरा,**
**या श्वेत् पदमासना।।''**

सर्वप्रथम मैं ''माँ'' सरस्वती को नमन करती हूँ। प्रस्तुत शोध प्रबंध **''शैक्षिक एवं सह–शैक्षिक गतिविधियों का राजकीय माध्यमिक विद्यालयों तथा निजी माध्यमिक विद्यालयों का तुलनात्मक अध्ययन''** को विद्ववतजनों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अति प्रसन्नता की अनुभूति हो रही हैं। यह लघुशोध प्रबंध मेरा प्रथम प्रयास है जिसे सौभाग्यवश इस प्रतिष्ठित महाविद्यालय के विद्ववतजनों का आशीष व सरंक्षण प्राप्त हुआ हैं। शोधार्थी ने एम.एड. आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया हैं।

अतः उनके प्रति आभार प्रदर्शन करना मैं अपना कर्त्तव्य समझती हूँ। आभार प्रदर्शन करते हुए मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ हूँ।

फिर भी मैने आभार व्यक्त करने का प्रयास किया है इस शोध को प्रभावी और सफलतापूर्वक पूर्ण कराने का श्रेय मेरे निदेशक (सहायक आचार्य) **डॉ. मनीष भटनागर** को है जिनके विद्वतापूर्ण मार्गदर्शन एवं सुक्ष्म पर्यवेक्षण में यह शोध प्रबंध पूर्ण हुआ इसके लिए मैं ऋणी रहूँगी। इन्होनें अपने व्यस्त जीवन के अमूल्य क्षणों में से इस कार्य को सम्पूर्ण कराने हेतु उन्होनें जिस निष्ठा के साथ सहयोग किया है वह अविस्मरणीय हैं। मै नतमस्तक हो इन्हें अपना हार्दिक आभार प्रकट करती हूँ।

इस शोध प्रबंध को समय पर पूर्ण करने का श्रेय मेरे निर्देशक (सहायक आचार्य) डॉ. मनीष भटनागर, विभागाध्यक्ष प्रो.बी.एल.जैन, डॉ मनीष भटनागर, डॉ भावाग्राही प्रधान, डॉ विष्णु कुमार, डॉ. सरोज राय, डॉ.आभा सिंह, डॉ. अमिता जैन, डॉ.गिरधारी लाल शर्मा पुस्तकालयध्यक्ष महिमा जैन, जैन विश्व भारती शिक्षण संस्थान लाडनूँ (नागौर) को जाता है

जिनके विद्वतापूर्ण मार्गदर्शन, स्नेह, एवं सुक्ष्म पर्यवेक्षण में यह शोध प्रबंध पूर्ण हुआ है। इसके लिए मै उनकी ऋणी रहूँगी। वस्तुतः शोध प्रबन्ध उनके निरन्तर पथ प्रदर्शन एवं सक्रिय सहयोग का ही परिणाम है मैं नतमस्तक होकर आभार प्रकृट करती हूँ जिनके कुशल संचालन, नेतृत्व, निर्देशन उच्च विचारों, आदर्श व्यवहार प्रेरणापूर्ण प्रोत्साहन ने लघुशोध प्रबंध कार्य को सरल एवं सहज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

मैं उन लेखकों, विचारकों का भी हृदय से कृतज्ञ हूँ जिनके विचारों का समावेश इस लघु शोध कार्य में स्थान–स्थान पर किया गया हैं।
मैं अपने पिताजी व माताजी श्री दुर्गा प्रसाद व उर्मिला देवी, ससुर श्री रामनिवास जी थोरी, सास श्रीमती शान्ति देवी, पति श्री विनोद, पुत्री अंजली, मित्र सरिता यादव, बीना बैरवा, रचना शुक्ला, वत्सला शर्मा, इन्दु कुमारी तथा साथ ही साथ अपने परिवार के सदस्य का आभार प्रकृट करती हूँ क्योंकि इनके सहयोग से ही मेरा यह शोध कार्य पूर्ण हो पाया।

अन्त में मैं भंवरलाल सैनी की आभारी हूँ जिनके अथक परिश्रम अनुभव व सहयोग से ही यह लघु शोध प्रबंध पूर्ण किया जाना सम्भव हो सका।
अंत में मैं परमपिता परमात्मा का शत् शत् नमन करती हूँ जिन्होनें मुझे इस योग्य बनाये कि मैं प्रस्तुत शोध का अध्ययन कर सकी।

**स्थान – लाडनूँ**
**दिनाक –**

**प्रस्तुतकर्त्री**

**दमयन्ती जाट**

**(एम.एड छात्रा)**

# विषयानुक्रमणिका


| पृष्ठ संख्या | विषय सूची | पृ. स. |
|---|---|---|
| **1** | **प्रथम अध्याय – शोध परिचय** | **1–18** |
| 1.1 | प्रस्तावना | |
| 1.2 | समस्या का औचित्य | |
| 1.3 | समस्या कथन | |
| 1.4 | शोध से उभरने वाले प्रश्न | |
| 1.5 | तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण | |
| 1.6 | शोध के उद्देश्य | |
| 1.7 | शोध की परिकल्पनाएँ | |
| 1.8 | शोध विधि | |
| 1.9 | न्यादर्श | |
| 1.10 | शोध का परिसीमन | |
| 1.11 | शोध में प्रयुक्त उपकरण | |
| 1.12 | शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी | |
| **2** | **द्वितीय अध्याय– सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन** | **19–32** |
| 2.1 | प्रस्तावना | |
| 2.2 | सम्बन्धित साहित्य से तात्पर्य | |
| 2.3 | सम्बन्धित साहित्य का अर्थ एवं परिभाषाएं | |
| 2.4 | सम्बन्धित साहित्य क उद्देश्य | |
| 2.5 | सम्बन्धित साहित्य के लाभ | |
| 2.6 | सम्बन्धित साहित्य के स्त्रोत | |
| 2.7 | सम्बन्धित साहित्य का महत्व | |
| 2.8 | सम्बन्धित साहित्य की सीमाएं | |
| 2.9 | शोध अध्ययन से सम्बन्धित साहित्य | |

| | | |
|---|---|---|
| **3** | **तृतीय अध्याय – अनुसंधान शोध विधि व उपकरण** | **33–56** |
| 3.1 | प्रस्तावना | |
| 3.2 | अनुसंधान का अर्थ | |
| 3.3 | अनुसंधान की परिभाषा | |
| 3.4 | तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण | |
| 3.5 | परिकल्पना | |
| 3.6 | न्यादर्श | |
| 3.7 | शोध में प्रयुक्त चर | |
| 3.8 | अनुसंधान की विधियां | |
| 3.9 | अध्ययन में प्रयुक्त विधि | |
| 3.10 | उपकरण एवं प्रविधि | |
| 3.11 | अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी | |
| **4** | **चतुर्थ अध्याय – तथ्यों का वर्गीकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या** | **57–78** |
| 4.1 | प्रस्तावना | |
| 4.2 | तथ्यों का वर्गीकरण | |
| 4.3 | तथ्यों का सारणीयन एवं विश्लेषण | |
| 4.4 | संख्यिकी | |
| **5.** | **पंचम अध्याय – शोध का सांराश एवं निष्कर्ष** | **79–92** |
| 5.1 | प्रस्तावना | |
| 5.2 | समस्या कथन | |
| 5.3 | शोध के उद्देश्य | |
| 5.4 | शोध की परिकल्पनाएं | |
| 5.5 | शोध विधि | |
| 5.6 | न्यादर्श | |
| 5.7 | उपकरण | |
| 5.8 | शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी | |

| | | |
|---|---|---|
| 5.9 | शोध के परिणाम एवं निष्कर्ष | |
| 5.10 | शैक्षिक निहितार्थ | |
| 5.11 | भावी शोध हेतु सुझाव | |
| 5.12 | उपसंहार | |
| | **सन्दर्भ ग्रन्थ सूची** | **93—94** |
| | **परिशिष्ट** | |